केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नवदेहली

भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास - पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की कक्षा ग्यारहवीं की पाठ्यपुस्तक तथा NEP 2020 पर आधारित)

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष (प्रथम सत्रार्द्ध)

प्रस्तुतकर्त्री

प्रो. लीना सक्करवाल

आचार्या, शिक्षाशास्त्रविद्याशाखा

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय

जयपुर परिसर, राजस्थान – ३०२०१८

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नव देहली

भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास - पाठ्यक्रम

(एन.सी.ई.आर.टी की कक्षा ११वीं की अर्थशास्त्र पुस्तक पर आधारित)

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष

प्रथम सत्रार्द्ध – (४ क्रेडिट)

अंक – १००

घंटे – ६४ घंटे

उद्देश्य -

प्रथम सत्रार्द्ध के इस अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी –

- स्वातन्त्र्योत्तरकाल की भारतीय अर्थव्यवस्था की दशा के बारे में जान सकेंगे।
- भारत की पंचवर्षीय योजनाओं के लक्ष्य से परिचित हो सकेंगे।
- सुधारनीतियों की पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।
- निर्धनता की अवधारणा तथा निर्धनता निवारण के कार्यक्रमों की समीक्षा कर सकेंगे।
- मानव संसाधन, पूँजी निर्माण तथा मानव विकास की अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे।
- अर्थशास्त्र में सांख्यिकी के महत्त्व तथा प्रयोग को समझ पाएँगे।

प्राक्शास्त्री – प्रथम वर्ष

प्रथम सत्रार्द्ध के ४ क्रेडिट

(पाठ्यक्रम का सारणी स्वरूप)

इकाई	क्रेडिट	अंक	घण्टा	कालांश प्रति माह
इकाई – १	१	२५	१६	२१
इकाई – २	१	२५	१६	२१
इकाई – ३	१	२५	१६	२१
इकाई – ४	१	२५	१६	२१
कुल – ४	**४**	**१००**	**६४**	**८४**

प्रत्येक इकाई का विस्तृत विवेचन अग्रिम पृष्ठ पर है –

कक्षा – प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष

प्रथम सत्रार्द्ध – भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

क्रेडिट – १

इकाई – १ **विकास नीतियाँ और अनुभव** **घण्टे – १६**

अंक – २५

अधिगम परिणाम (Learning outcomes) –

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- स्वतंत्रता प्राप्ति के समय वर्ष १९४७ में भारत की अर्थव्यवस्था की दशा के बारे में जान सकेंगे।
- भारतीय अर्थव्यवस्था को अल्प विकास तथा गत्यावरोध की स्थिति में पहुँता देनेवाले कारकों से परिचित होंगे।
- अर्थशास्त्रा में सांख्यिकी का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

विषयवस्तु

1.1. औपनिवेशिक शासन के अन्तर्गत निम्न-स्तरीय आर्थिक विकास, कृषि क्षेत्रक, औद्योगिक क्षेत्रक, विदेशी व्यापार

1.2. जनांकिकीय परिस्थिति, व्यावसायिक संरचना, आधारिक संरचना

1.3. अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का परिचय, आंकड़ो का संग्रह।

क्रियात्मक गतिविधि – भारत के कुछ क्षेत्रों में यह धारणा व्याप्त है कि ब्रिटिश शासन भारत के लिए लाभकारी ही था। आपका इस धारणा के प्रति क्या दृष्टिकोण है ? अपनी कक्षा में इस विषय पर चर्चा आयोजित करें। क्या अंग्रेजी शासन भारत के लिए अच्छा था या प्राचीन भारतीय व्यवस्था से कुछ सीखा जा सकता है?

क्रेडिट – १

इकाई – २ **भारतीय अर्थव्यवस्था** **घण्टे – १६**

१९५०-१९९० **अंक – २५**

अधिगम परिणाम –

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- भारत की पंचवर्षीय योजनाओं के लक्ष्यों को जान सकेंगे।
- वर्ष १९५० से १९९० तक विभिन्न क्षेत्रकों, जैसे कृषि और उद्योग में अपनाई गई विकास की नीतियों को समझेंगे।
- एक नियमित अर्थव्यवस्था के गुणों तथा सीमाओं की विवेचना कर सकेंगे।
- आंकड़ों का संगठन तथा प्रस्तुतीकरण जान पाएंगे।

विषयवस्तु

2.1. पंचवर्षीय योजनाओं के लक्ष्य, कृषि

2.2. उद्योग और व्यापार, व्यापार नीतिः आयात प्रतिस्थापन

2.3. आंकड़ो का संगठन, आंकड़ो का प्रस्तुतीकरण

क्रियात्मक गतिविधि – विश्वबैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन (G-7, G-8 और G-10 देशों) की बैठकों के बारे में समाचार पत्रों की कतरनें एकत्र करें। कृषि सहायिकी पर विकसित और विकासशील देशों द्वारा व्यक्त विचारों पर चर्चा करें।

क्रेडिट – १

इकाई – ३ **आर्थिक सुधार १९९१ से** **घण्टे – १६**

अंक – २५

अधिगम परिणाम (Learning outcomes) –

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- १९९१ में भारत में आरंभ की गई सुधार नीतियों की पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।
- सुधार नीतियों को आरम्भ किये जाने की प्रक्रिया को समझेंगे।
- वैश्वीकरण की प्रक्रिया और भारत के लिए इसके निहितार्थ से परिचित होंगे।
- विभिन्न क्षेत्रकों पर सुधार प्रक्रिया के प्रभाव को जानेंगे
- निर्धनता की अवधारणा, विभिन्न लक्षणों, मापन के तरीकों तथा निर्धनता निवारण के वर्तमान कार्यक्रमों की समीक्षा कर सकेंगे।

विषयवस्तु

3.1. पृष्ठभूमि, उदारीकरण, निजीकरण

3.2. वैश्वीकरण, सुधारकालीन भारतीय अर्थव्यवस्था एक समीक्षा।

3.3. निर्धनता की अवधारणा, उसकी पहचान, भारत में निर्धनों की संख्या

3.4. निर्धनता क्यों होती है? उसके निवारण हेतु नीतियाँ और कार्यक्रम, निर्धनता निवारण कार्यक्रम – एक समीक्षा

क्रियात्मक गतिविधि – क्या आपने पिछले वर्षों के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लिया था या अपने शिक्षकों की या किसी अन्य शिक्षक की टेलीविजन, मोबाइल फोन या कंप्यूटर के माध्यम से वीडियो देखे थे सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित अपने अनुभवों को साझा करें।

क्रेडिट – १

इकाई – ४ **भारत में मानव पूँजी का निर्माण** **घण्टे – १६**

अंक – २५

अधिगम परिणाम (Learning outcomes) –

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- मानव संसाधन, मानव पूँजी निर्माण और मानव विकास की अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
- मानव पूँजी में निवेश, आर्थिक संवृद्धि और मानव विकास के परस्पर संबंधों को जान सकेंगे।
- शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय की आवश्यकता को समझ पाएंगे तथा
- भारत की शैक्षिक उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन सीख सकेंगे।

विषयवस्तु

4.1. मानव पूँजी क्या है? मानव पूँजी के स्रोत

4.2. मानव पूँजी और मानव विकास

4.3. भारत में मानव पूँजी निर्माण की स्थिति

4.4. शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि, भविष्य की संभावनाएँ

4.5. केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप

क्रियात्मक गतिविधि – विभिन्न स्तरों पर विद्यालय छोड़ने वाले छात्रों का अध्ययन कीजिए –

क) प्राथमिक स्तर के विद्यालय छोड़ने वाले छात्र।
ख) आठवीं कक्षा के बाद छोड़ने वाले छात्र।
ग) दसवीं कक्षा के बाद छोड़ने वाले छात्र।

कारण ज्ञात कीजिए तथा कक्षा में चर्चा कीजिए।